माई झुंझुनूं डॉट कॉम
ISO 9001:2015
JAIPUR | MONDAY, 02 DECEMBER 2024

भारत के संदर्भ में सख्त कदम उठाने की जरूरत-अक्षत खेतान

जयपुर। अखिल भारतीय स्तर पर कानूनी सलाह उपलब्ध कराने वाली अग्रणी संस्था, एयू कॉर्पोरेट एडवाइजरी एंड लीगल सर्विसेज ने भारत में साइबर- बुलीइंग के खतरे का सामना कर रहे हर व्यक्ति की अनमोल जिंदगी बचाने और उसकी हिफाजत करने के लिए, साइबर-बुलीइंग, साइबर अपराध एवं साइबर उत्पीड़न के क्षेत्र में नई राह दिखाने वाली पहल की शुरुआत की है। टेक्नोलॉजी में हो रही प्रगति के साथ लोगों के बीच आपसी संपर्क, बातचीत करने और जानकारी साझा करने के तरीके में बड़े पैमाने पर बदलाव आया है। हालांकि, टेक्नोलॉजी में इस जबरदस्त प्रगति ने साइबर-बुलीइंग, साइबर अपराध और साइबर उत्पीड़न जैसी नई चुनौतियों के लिए भी दरवाजे खोल दिए हैं, जो भारत के साथ-साथ दुनिया भर में एक बड़ी सामाजिक चुनौती के तौर पर उभरकर सामने आ रहे हैं। भारत जैसे देश में ये समस्याएं विशेष रूप से गंभीर हैं, जहाँ इंटरनेट के उपयोग में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। परंतु सामने आने वाले ऑनलाइन खतरों की तुलना में इसे नियमों के दायरे में लाने वाली व्यवस्था और जागरूकता काफी पीछे है। **विदित है कि अक्षत खेतान झुंझुनू निवासी मुम्बई प्रवासी श्री अशोक खेतान के सुपुत्र एवं स्व.श्री ओमप्रकाश जी खेतान के सुपौत्र है। आपके द्वारा सामाजिक सरोकारो में झुंझुनू मे भी हर वर्ष कम्बल वितरण सहित अन्य सेवा कार्य किये जाते है।**